Literacy for a Billion

Movie: Dil Ek Mandir
Year: 1963

Song: Ruk Ja Raat Thahar Ja
Lyricist: Shailendra

रुक जा रात
ठहर जा रे चंदा
बीते ना मिलन की बेला
आज चाँदनी की नगरी में
अरमानों का मेला

रुक जा रात
ठहर जा रे चंदा
बीते ना मिलन की बेला
आज चाँदनी की नगरी में
अरमानों का मेला

रुक जा रात
ठहर जा रे चंदा

पहले मिलन की यादें लेकर
आई है ये रात सुहानी
पहले मिलन की यादें लेकर
आई है ये रात सुहानी
दोहराते हैं फिर ये सितारे
मेरी तुम्हारी प्रेम कहानी
मेरी तुम्हारी प्रेम कहानी

रुक जा रात
ठहर जा रे चंदा
बीते ना मिलन की बेला
आज चाँदनी की नगरी में
अरमानों का मेला
रुक जा रात

ठहर जा रे चंदा

कल का डर ना
काल की चिंता
दो तन हैं
मन एक हमारे
कल का डर ना
काल की चिंता
दो तन हैं
मन एक हमारे
जीवन सीमा के आगे भी
आऊँगी मैं संग तुम्हारे
आऊँगी मैं संग तुम्हारे

रुक जा रात
ठहर जा रे चंदा
बीते ना मिलन की बेला
आज चाँदनी की नगरी में
अरमानों का मेला

रुक जा रात
ठहर जा रे चंदा
बीते ना मिलन की बेला
आज चाँदनी की नगरी में
अरमानों का मेला

रुक जा रात
ठहर जा रे चंदा
रुक जा रात

ठहर जा रे चंदा
रुक जा रात

ठहर जा रे चंदा

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.